ये अव्यक्त इशारे

# अब लगन की अग्नि को प्रज्वलित कर योग को ज्वाला रूप बनाओ

## 14-09-2025

कई बच्चे कहते हैं कि जब योग में बैठते हैं तो आत्म-अभिमानी होने के बदले सेवा याद आती है। लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए क्योंकि लास्ट समय अगर अशरीरी बनने की बजाए सेवा का भी संकल्प चला तो सेकण्ड के पेपर में फेल हो जायेंगे। उस समय सिवाय बाप के, निराकारी, निर्विकारी, निरहंकारी - और कुछ याद नहीं। सेवा में फिर भी साकार में आ जायेंगे इसलिए जिस समय जो चाहे वह स्थिति हो, नहीं तो धोखा मिल जायेगा।

# Now ignite the fire of love and make your yoga volcanic.

**Many children say that when they sit in remembrance, instead of becoming soul conscious, they think about service. This is wrong, because in the final moments if, instead of becoming bodiless, you think about service, you would fail that paper of a second. At that time, you must only remember the Father and your incorporeal, viceless and egoless stage, nothing else. By thinking about service, you come into your corporeal form. If you can't have the stage that you should have whenever you want, you would be deceived.**